

भारत के कृषि-निर्यात को बढ़ावा

प्रलम्ब के लिये:

[खाद्य मुद्रास्फीति, दालें, सैनटिरी एवं फाइटोसैनटिरी \(SPS\), व्यापार में तकनीकी बाधाएँ \(TBT\), MSP, WTO, डेवलपमेंट बॉक्स, FTA, कृषि निर्यात नीति \(AEP\) 2018](#)।

मेन्स के लिये:

भारत के कृषि-निर्यात की प्रवृत्तियाँ, संबंधित चुनौतियाँ एवं आगे की राह।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

भारत का कृषि निर्यात 6.5% बढ़कर 37.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर (अप्रैल-दिसंबर 2024) हो गया है जबकि आयात 18.7% बढ़कर 29.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जिससे कृषि व्यापार अधिशेष में कमी आई है।

भारत के कृषि निर्यात से संबंधित क्या प्रवृत्तियाँ हैं?

- **कपास व्यापार में बदलाव:** भारत अब कपास का शुद्ध आयातक बन गया है तथा पहले का इसका निर्यातक का दर्जा समाप्त हो गया है।
 - कभी अमेरिका के बाद दूसरे सबसे बड़े निर्यातक रहे भारत का कपास निर्यात वर्ष 2011-12 के 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2023-24 में 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया।
- **कृषि व्यापार अधिशेष में कमी आना:** भारत का कृषि व्यापार अधिशेष वर्ष 2013-14 में 27.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया, जो वर्ष 2023-24 में घटकर 16 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया।
- **वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों का प्रभाव:** वर्ष 2013-14 और वर्ष 2019-20 के बीच वैश्विक खाद्य कीमतों में गिरावट से भारत की कृषि निर्यात प्रतस्पर्द्धात्मकता में कमी आई है।
 - **कोविड-19** और **रूस-यूक्रेन युद्ध** के बाद वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई, जिससे वर्ष 2022-23 में निर्यात बढ़कर 53.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- **निर्यात की प्रमुख वस्तुएँ:**
 - **समुद्री उत्पाद:** भारत के प्रमुख कृषि निर्यात के संदर्भ में वर्ष 2023-24 में समुद्री उत्पादों के निर्यात में गिरावट आई है तथा वर्ष 2024-25 में भी गिरावट जारी रहने का अनुमान है।
 - **चीनी और गेहूँ:** घरेलू खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सरकारी प्रतिबंधों के कारण वर्ष 2023-24 में चीनी और गेहूँ के निर्यात में कमी आई।
 - **चावल:** सफेद चावल पर प्रतिबंध एवं उबले चावल पर निर्यात शुल्क के बावजूद चावल (वशिष्टकर गैर-बासमती) का निर्यात मजबूत बना रहा।
 - बासमती चावल, मसाले, कॉफी और तंबाकू का निर्यात वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँचने का अनुमान है।
 - **नकदी फसलें:** प्रतिकूल मौसम के कारण ब्राज़ील, वियतनाम एवं जमिबाब्वे जैसे प्रमुख उत्पादकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण कॉफी एवं तंबाकू के निर्यात में वृद्धि हुई है।
 - **अन्य:** भारत ने मरिच, मटि उत्पाद, जीरा, हल्दी, धनिया, साँफ आदि के विश्व के अग्रणी निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।
- **प्रमुख आयात वस्तुएँ:**
 - **खाद्य तेल:** वर्ष 2024-25 में खाद्य तेल का आयात (मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण) कीमतों में बढ़ोतरी के कारण सबसे अधिक रहने का अनुमान है।
 - **दालें:** घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण दालों का आयात औसतन 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2018-23) रहा, लेकिन वर्ष 2023-24 में दालों के कम उत्पादन के कारण वर्ष 2024-25 में इसके 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक रहने की संभावना है।
- **प्रमुख गंतव्य:**

◦ **नरियात:**

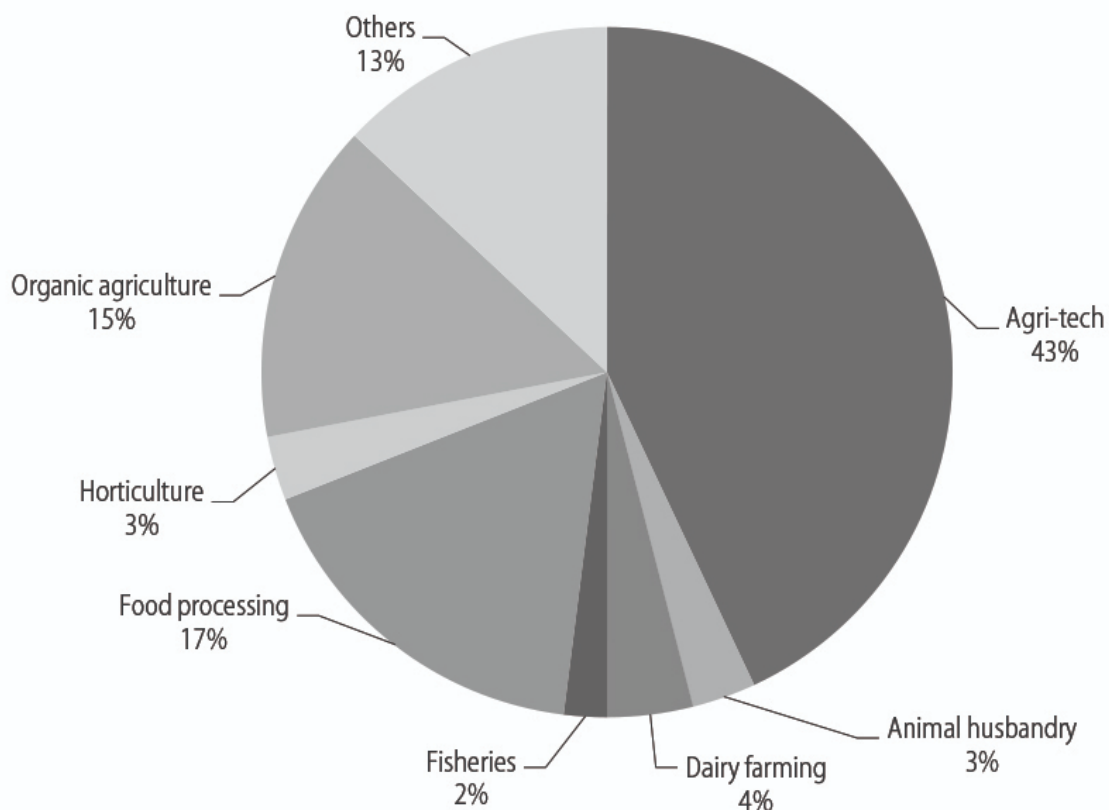
- **एशिया:** वर्ष 2023 में, भारत ने **48 बलियन अमेरिकी डॉलर** के कृषिउत्पादों का नरियात किया, जिसमें **ग्लोबल साउथ (75%)** और **एशिया (58%)** प्रमुख बाज़ार थे।
 - **चीन और संयुक्त अरब अमीरात** ने भारतीय कृषिउत्पादों में **3-3 बलियन अमेरिकी डॉलर** का आयात किया, जबकि वियतनाम ने **2.6 बलियन अमेरिकी डॉलर** का आयात किया।
- **यूरोप:** भारतीय कृषिनरियात में यूरोप का योगदान **12.6%** है, जिसमें **मुख्य रूप से तंबाकू, ताजे फल और सजावटी पौधे** शामिल हैं।
- **अमेरिका:** भारतीय कृषिनरियात में अमेरिका का योगदान **13.4%** है, जिसमें **मुख्य रूप से चावल** (बासमती और गैर-बासमती), तिल और ताजे फल शामिल हैं।
- **अफ्रीका:** भारत के कुल कृषिनरियात में अफ्रीका का योगदान **15%** है।

◦ **आयात:**

- **वैश्विक दक्षिण:** वैश्विक दक्षिण भारत के कृषि-आयात का **48%** आपूर्तिकरता है, जिसमें **ब्राज़ील, चीन, मैक्सिको, अर्जेंटीना और इंडोनेशिया** का स्थान है।
- **वकिसति अर्थव्यवस्थाएँ:** शीर्ष तीन आपूर्तिकर्ता **अमेरिका, नीदरलैंड और जर्मनी** हैं।

कृषिसंबंधी स्टार्ट-अप:

Figure 1: Distribution of Agriculture Start-ups in India across Sub-sectors



Source: Author's own analysis based on Startups India database, Department for Promotion of Industry and Internal Trade.

और पढ़ें: [कृषिनरियात नीतिक्रिया है?](#)

भारत के कृषिनरियात के समक्ष चुनौतियाँ क्या हैं?

- **नॉन टैरिफि बैरियर्स (NTB):** वकिसति देश व्यापार के लिये कठोर **सैनटिरी और फाइटोसैनटिरी (SPS)** और **तकनीकी बाधाएँ (TBT)** लगाते हैं, जिससे भारतीय कृषिनरियात के लिये **व्यापार बाधाएँ** उत्पन्न होती हैं। उदाहरण के लिये
 - भारत के **बासमती चावल और चाय** के नरियात को **कीटनाशक संदूषण** के कारण यूरोपीय प्रतर्बिधों का सामना करना पड़ा है।
 - **जापान** ने **पुष्प उत्पादों में कीटों के प्रतर्शून्य सहनशीलता के नियम** के तहत **भारत से कटे हुए फूलों** के आयात पर प्रतर्बिध लगा दिया है, हालाँकि ऐसे कीट जापान में भी पाए जाते हैं।
- **अनुचित समान अवसर:** वकिसति देशों द्वारा अपने किसानों को दी जाने वाली **कृषिसिब्सिडी तथा भारतीय कृषिनरियात पर उच्च टैरिफ** के कारण

भारतीय किसानों को नुकसान होता है।

- अमेरिका प्रत्येक किसान को सालाना 61,286 अमेरिकी डॉलर प्रदान करता है, जबकि भारत केवल 282 अमेरिकी डॉलर प्रदान करता है, जिससे वैश्विक कीमतें कम हो रही हैं तथा भारतीय किसानों को नुकसान हो रहा है।

- **भारत की MSP नीति के लिये चुनौतियाँ:** अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश WTO में यह दावा करते हुए भारत की **MSP** को चुनौती देते हैं कि यह AOA के तहत **10% की सीमा (एम्बर बॉक्स)** से अधिक है, जिससे विवादित कार्यवाही का खतरा है।
 - भारत विकासशील देशों के लिये AOA के 'डेवलपमेंट बॉक्स' के अंतर्गत असीमित इनपुट सब्सिडी प्रदान कर सकता है, लेकिन विकसित देश इसे प्रतिबंधित करना चाहते हैं, जिससे छोटे किसानों की आजीविका को खतरा हो सकता है।
- **FTA से संबंधित चुनौतियाँ:** सिंगापुर, आसियान और जापान जैसे देशों के साथ भारत के **FTA से आयातित कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम** हो जाता है, किसानों के लिये **नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना** तथा **बुनियादी ढाँचे में निवेश** में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा कम हो जाती है।
- **बार-बार निर्यात प्रतिबंध:** मूल्य असंतुलन को नियंत्रित करने के लिये भारत द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंध विदेशी आयातकों और फसलोत्तर प्रबंधन तथा खाद्य प्रसंस्करण में **घरेलू निवेश** को बाधित करते हैं।
 - **प्याज पर बार-बार प्रतिबंध** लगाने से आपूर्ति शृंखला बाधित होती है तथा **वैश्विक बाज़ार में भारत की विश्वसनीयता** कम होती है, जिससे आयात साझेदारों को विकल्प तलाशने पड़ते हैं।

WTO AGREEMENT ON AGRICULTURE (AoA)

A WTO treaty negotiated during the Uruguay Round of the General Agreement on Tariffs and Trade (GATT); formally ratified in 1994 at Marrakesh, Morocco; Came into effect in 1995

FEATURES

- Market access (Promote market access for agricultural products by reducing trade barriers)
- Domestic support (Subsidy Boxes are included in this)
- Export subsidies (Reduce the use of export subsidies, which can distort trade)

SUBSIDY BOXES

Amber Box Subsidies:

- Can distort international trade by making a country's products cheaper in comparison to those of other countries
- Examples: Subsidies for inputs such as fertilisers, seeds, electricity, irrigation, and Minimum Support Price (MSP)
- Amber box is used for all domestic support measures that are deemed to distort production and trade
- As a result, the signatories are required to commit to reducing domestic supports that fall into the amber box
- Members who do not make these commitments must keep their amber box support within 5-10% of their value of production. (*De Minimis Clause*)
- 10% for developing countries
- 5% for developed countries
- India's MSP program remains under scrutiny, as it exceeds 10% ceiling

Blue box Subsidies:

- "Amber box with conditions" — designed to reduce distortion
- Any support that would normally be in the amber box is placed in the blue box if it requires farmers to limit production
- These subsidies aim to limit production by imposing production quotas or requiring farmers to set aside part of their land
- At present there are no limits on spending on blue box subsidies

Green Box Subsidies:

- Domestic support measures that don't cause trade distortion or at most cause minimal distortion
- These subsidies are government funded without any price support to crops
- Also include environmental protection and regional development programmes
- Allowed without limits (except in certain circumstances)



कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिये सरकार की क्या पहल हैं?

- **कृषि निर्यात नीति (AEP) 2018**
- **APEDA (कृषि और परसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण)**
- **प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (PM-FME) योजना**
- **कृषि उद्धान योजना 2.0**
- **राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (NPOP)**

आगे की राह

- **बाज़ार आसूचना इकाइयाँ स्थापति करनी:** सरकार को अंतरराष्ट्रीय नरियात मांग पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करने के लिये **बाह्य बाज़ार आसूचना इकाइयाँ** स्थापति करनी चाहिये, जिससे किसानों और नरियातकों को **वैश्विक बाज़ार की जरूरतों** को पूरा करने में मदद मिल सके।
- **कृषि-निकनीक स्टार्टअप को समर्थन:** भारत का वशाल कृषि क्षेत्र स्टार्टअप को व्यापार क्षमता को अधिकितम करने के लिये **पैमाने, वसितार और नवाचार के अवसर** प्रदान करता है।
- **नरियात बाज़ारों में वविधिता लाना:** भारत को **अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य-पूर्व** में डेयरी, पोल्ट्री, सब्जियों और फलों को प्राथमकिता देते हुए नए उत्पादों और बाज़ारों की खोज करनी चाहिये।
 - महामारी के बाद **सुपरफूड्स (जैसे बाजारा) और हर्बल उत्पादों** की बढ़ती मांग को देखते हुए, भारत को उनकी **कृषि और प्रसंस्करण** को बढ़ावा देना चाहिये।
- **SPS उपायों का अनुपालन:** भारत को **कृषि-मूल्य शृंखला प्रतभिगयिों** (अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों) को **SPS अनुपालन** के बारे में शकिषति करना चाहिये तथा **गुणवत्ता और वैश्विक प्रतसिपर्द्धात्मकता को बढ़ावा देने** के लिये प्रसंस्करण बुनयािदी ढाँचे का वकिास करना चाहिये।
 - सहकारी समतियिों और **FPO** कीट नयित्रण, अवशेष प्रबंधन और स्वच्छता पर कार्यशालाओं के माध्यम से किसानों को SPS वनियिों, खाद्य सुरक्षा और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में **शकिषति** करते हैं।
- **कृषि-जिलवायु क्लस्टर वकिसति करना:** **नरियातोनमुख फसलों** की कृषि के लिये उपयुक्त **कृषि-जिलवायु क्षेत्रों** की पहचान करने से उत्पादकता और गुणवत्ता को अनुकूलतम बनाया जा सकेगा।
 - माइक्रोसॉफ्ट का **प्रोजेक्ट फार्म वाइब्स (PFV)** संसाधनों की खपत को कम करते हुए **फसल की पैदावार को 40% तक बढ़ा सकता है।**
- **वशिवसनीय व्यापार नीति स्थापति करना:** भारत को नरियात प्रतबिधों के बार-बार लागू होने को कम करने के लिये अपनी **कृषि व्यापार नीति** को सुव्यवस्थति करने की आवश्यकता है।

दृष्टिभेन्स प्रश्नः

प्रश्न: वैश्वक कृषिव्यापार में अपनी हसिसेदारी बढाने के लयि भारत को क्या कदम उठाने चाहयि?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न 1. भारतीय कृषि में परस्थितियों के संदर्भ में, "संरक्षण कृषि" की संकल्पना का महत्त्व बढ़ जाता है। निम्नलिखित में से कौन-कौन से संरक्षण कृषि के अंतर्गत आते हैं? (2018)

1. एकधान्य कृषिपद्धतियों का परहार
2. न्यूनतम जोत को अपनाना
3. बागानी फसलों की खेती का परहार
4. मृदा धरातल को ढकने के लिये फसल अवशेषित का उपयोग
5. स्थानिक एवं कालिक फसल अनुक्रमण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) 1, 3 और 4
(b) 2, 3, 4 और 5
(c) 2, 4 और 5
(d) 1, 2, 3 और 5

उत्तर: (c)

?????

प्रश्न: फसल विविधीकरण के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ क्या हैं? उभरती प्रौद्योगिकियाँ फसल विविधीकरण का अवसर कैसे प्रदान करती हैं??(2021)

प्रश्न: भारत में कृषि उत्पादों के परिवहन एवं वणिगन में मुख्य बाधाएँ क्या हैं? (2020)

